**Title:** Requested the Government to give financial assistance to the sugar mills for their survivial.

**डॉ. लक्ष्मीनारा्यण पाण्डेय (मंद्सौर) :** उपाध्यक्ष जी, मध्य प्रदे्श में औद्योगिक ्वाता्वरण ्स्वस्थ नहीं है और धीरे-धीरे ्वहां के उद्योग ्बंद होते जा रहे हैं। एन.टी.्सी. द्वारा ्संचालित मिलें ्बंद हुई हैं और अ्ब चीनी मिलों पर ्संकट ख्ड़ा हो ग्या है तथा दू्सरे उद्योग ्भी धीरे-धीरे ्समाप्त होते जा रहे हैं। प्रदे्श ्सरकार की उदा्सीनता के कारण ्सम्य पर ्बिजली न होने के कारण तथा अन्य ्साधनों के अ्भा्व में आम आदमि्यों का और श्रमिकों के लिए जी्वन्यापन का ्संकट ख्ड़ा हो ग्या है। ्साथ ही ्साथ चीनी मिलों के ्सामने ्भ्यंकर ्संकट ख्ड़ा हो ग्या है तथा गन्ना कि्सान परे्शान है क्योंकि आने ्वाला ्सीज़न उनके ्सामने ख्ड़ा है। इ्सलिए केन्द्र ्सरकार ्से मेरा अनुरोध है कि ्वह इन चीनी मिलों और गन्ना कि्सानों की ्सहा्यता करें, क्योंकि केन्द्र ्सरकार की ्सहा्यता ्से ही इन चीनी मिलों और गन्ना कि्सानों को ्बचा्या जा ्सकता है। ्वरना राज्य ्सरकार तो इ्स मामले में हाथ पर हाथ रखकर ्बैठी है। अतः केन्द्र ्सरकार ्से मेरा आग्रह है कि ्वह इन चीनी मिलों की ्सहा्यता करे जि्स्से गन्ना कि्सान ला्भान्वित हो ्सकें और चीनी मिलें चल ्सकें।

...(*Interruptions*)

SHRI RUPCHAND PAL (HOOGLY): At what time, would the Home Minister reply?

MR. DEPUTY-SPEAKER: At 2.30 p.m.